WORLDWIDE NEWS INDIA
9810336399

Name of the Paper : AMAR UJALA
Place of Publication : NEW DELHI

ईमानदारी और अनुशासन की किरण

देश की पहली महिला आईपीएस अधिकारी होने के अलावा किरण बेदी अपनी ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा की वजह से भी अलग पहचान बनाने में कामयाब रहीं। क्रेन बेदी के नाम से मशहूर किरण के बारे में यह किस्सा मशहूर है कि 1982 में होने वाले एशियन गेम्स के दौरान गलत जगह पर गाड़ी पार्क करने के कारण तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी तक की कार का चालान कर दिया था।

9 जून, 1949 को पंजाब में जन्मीं बेदी चार बहनों में सबसे होशियार थीं। अमृतसर के कॉन्वेंट से स्कूली पढ़ाई के बाद उन्होंने महिला गवर्नमेंट कॉलेज से राजनीति शास्त्र में स्नातक किया। खाकी वर्दी पहनने का अरमान उनके मन में तभी जागा, जब वह कॉलेज के दिनों में नेशनल कैडेट कोर में शामिल हुई थीं।

1972 में उन्होंने अपने स्कूली सहपाठी ब्रिज बेदी से प्रेम विवाह किया। उन्हें इसी साल यूटी कैडर की आईपीएस बनकर देश की पहली महिला अधिकारी होने का गौरव मिला। किरण की इसी सफलता ने अन्य महिलाओं को उस पेशे में आने के लिए प्रेरित किया, जिसे महिलाओं के लिए अकल्पनीय और अव्यावहारिक माना जाता था।

> अपनी कर्तव्यनिष्ठा के कारण किरण बेदी को क्रेन बेदी का उपनाम भी मिल चुका है। पिछले कई सालों से विभिन्न पदों पर रहकर उन्होंने बार-बार अपनी कार्यक्षमता परिचय दिया है

1973 में गणतंत्र दिवस समारोह की परेड में किरण ने हिस्सा लिया और उन्हें देखने के लिए भारी संख्या में लोग आए। 1977 में इंडिया गेट पर अकाली-निरंकारी सिख दंगों पर काबू पाना किरण के लिए चुनौती था, पर उन्होंने अपनी कार्यकुशलता से इस पर काबू पाया। 1979 में पश्चिमी जिले के डीसीपी पद पर रहते हुए जिले में दो सौ साल से चले आ रहे अवैध शराब कारोबार की कमर तोड़ी। 1993 में उन्हें तिहाड़ जेल के जेल महानिरीक्षक का पद मिला। जहां कैदियों की स्थिति में सुधार के लिए उन्होंने सराहनीय कार्य किया। इसके लिए उन्हें वर्ष 1994 का मैग्सेसे पुरस्कार मिला। 2003 में संयुक्त राष्ट्र में वह सिविल पुलिस की सलाहकार बनीं। 2005 में भारत लौटकर डीजी होमगार्ड का पद संभाला और 2006 में ब्यूरो ऑफ पुलिस रिसर्च एंड डेवलपमेंट की महानिदेशक बनीं। अपने कार्यों के लिए उन्हें कई पुरस्कार मिल चुके हैं। ◆

प्रतिभा